*I, Lieutenant General K. P. Candeth, PVSM,
Senior Colonel Commandant Regiment of Artillery
write to convey to you the sense of sorrow and grief
that I and all ranks of the Regiment of Artillery
felt on hearing of the sad demise of* **Capt
M S Duggal** *, who fell on
the battle field, fighting for his country against
Pakistan on* 30-11-71 *He died a soldier's
death defending to the end the honour and
integrity of our nation, true to the great and
noble traditions of the Regiment of Artillery.*

*In him, we have lost a gallant and
courageous soldier and a true friend whose
memory will remain ever fresh in the hearts
of his Comrades-in-Arms and whose deeds
will be an inspiration to the generations
that come hereafter.*

Kandeth

*Senior Colonel Commandant
Regiment of Artillery*

To

Shri Vidya Sagar Duggal
103-R Model Town
Jullundur (Punjab)

मैं, लैफिटीनेंट जनरल कुंजिरामन पालाट कैंडेथ, पी वी एस एम, सीनियर कर्नल कमांडेंट, रजिमेंट आफ आर्टिलरी, इस पत्र द्वारा आपको यह सूचना देना चाहता हूँ कि कैप्टन एम एस दुग्गल ने 30-11-71 देश की रक्षा के लिए पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध में अपना बलिदान दिया ।

मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि मुझे तथा रजिमेंट आफ आर्टिलरी के अफसरों तथा जवानों को कैप्टन एम एस दुग्गल के समर-भूमि में जान लड़ा देने पर जहाँ महान् गर्व है वहाँ एक वीर सह-सेनानी और सच्चे साथी को खो देने का अपार दुःख भी है। हम सब उनके देहावसान पर आप से अपनी हार्दिक सहानुभूति प्रकट करते हैं।

हमें इस बात पर गर्व है कि उन्होंने रजिमेंट आफ आर्टिलरी की शौर्य परम्परा को निभाते हुए एक वीर सेनानी की तरह अपने देश की धरती और आन की रक्षा के लिए अपने लहू का आखिरी कतरा तक बहा दिया।

हम अनुभव करते हैं कि उनकी मृत्यु में हम अपने एक बहादुर और निडर सेनानी और सच्चे साथी को खो बैठे हैं।

उनकी याद सदा उनके सैनिक साथियों के दिलों में एक ज्योति के समान जलती रहेगी और आने वाली पीढ़ियों के सैनिकों को रणक्षेत्र में जान की बाज़ी लगा देने की प्रेरणा देती रहेगी।

सीनियर कर्नल कमांडेंट
रजिमेंट आफ आर्टिलरी

श्री विद्यासागर दुग्गल
103-अार. मौडल टौन
जलन्धर (पंजाब)